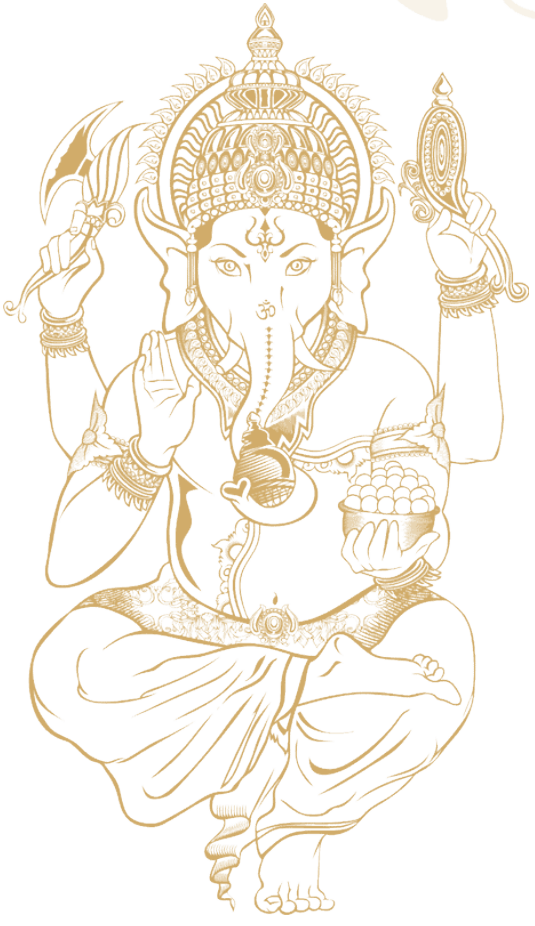

Bsn

06 Feb 2026

04:46 PM

Palampur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121209303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/02/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**16:46:00 घंटे**
इष्ट	23:48:31 घटी
स्थान	**Palampur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	32:04:00 उत्तर
रेखांश	76:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:21:56 घंटे
वेलान्तर	-00:14:03 घंटे
साम्पातिक काल	01:28:21 घंटे
सूर्योदय	07:14:35 घंटे
सूर्यास्त	18:02:05 घंटे
दिनमान	10:47:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:26:48 मकर
लग्न के अंश	08:27:01 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	धृति
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ण--
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:27:01	301:13:47	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मक	23:26:48	01:00:47	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	19:22:20	12:30:29	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	16:47:25	00:47:04	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	04:55:54	01:45:39	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:33:34	00:05:58	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	00:48:49	01:15:13	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	04:58:12	00:06:13	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	14:51:38	00:01:46	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:51:38	00:01:46	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:14:19	00:00:08	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:04:23	00:01:47	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:38:44	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	29:38:27	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

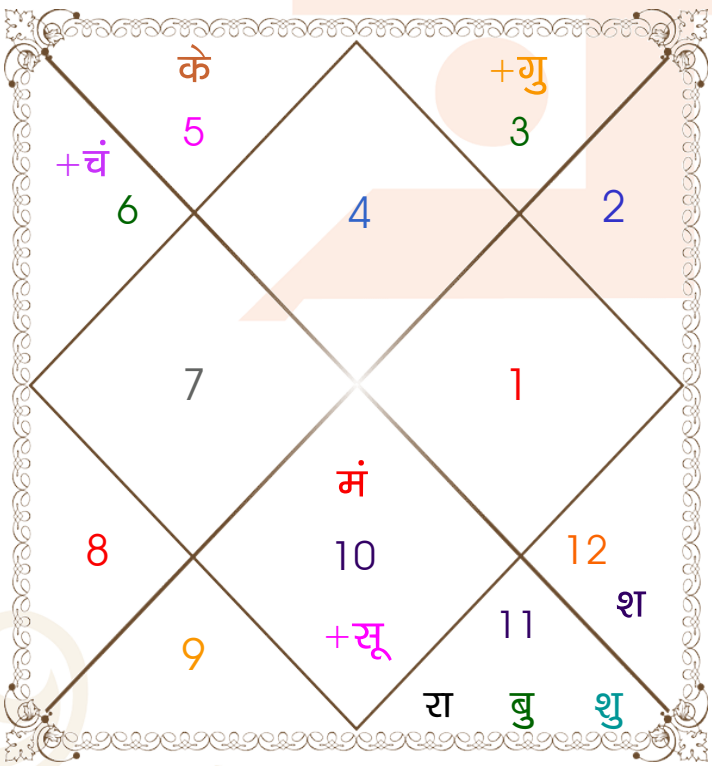

चन्द्र कुंडली

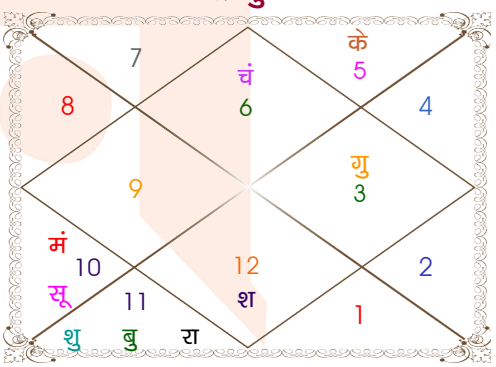

नवमांश कुंडली

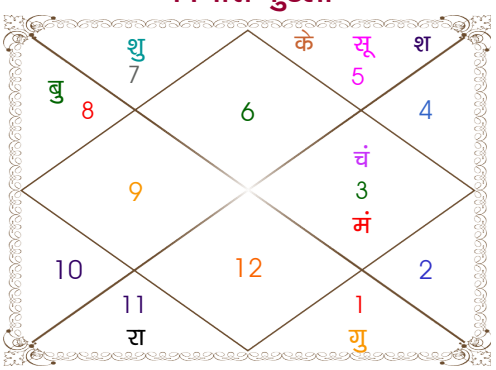

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 11 मास 19 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/02/2026		26/01/2029		27/01/2036		27/01/2054		27/01/2070	
26/01/2029		27/01/2036		27/01/2054		27/01/2070		26/01/2089	
	00/00/0000	मंगल	24/06/2029	राहु	09/10/2038	गुरु	16/03/2056	शनि	29/01/2073
	00/00/0000	राहु	13/07/2030	गुरु	04/03/2041	शनि	27/09/2058	बुध	09/10/2075
	00/00/0000	गुरु	19/06/2031	शनि	09/01/2044	बुध	02/01/2061	केतु	17/11/2076
	00/00/0000	शनि	28/07/2032	बुध	28/07/2046	केतु	09/12/2061	शुक्र	18/01/2080
	06/02/2026	बुध	25/07/2033	केतु	16/08/2047	शुक्र	09/08/2064	सूर्य	30/12/2080
बुध	28/04/2026	केतु	21/12/2033	शुक्र	15/08/2050	सूर्य	28/05/2065	चंद्र	31/07/2082
केतु	27/11/2026	शुक्र	20/02/2035	सूर्य	10/07/2051	चंद्र	27/09/2066	मंगल	09/09/2083
शुक्र	28/07/2028	सूर्य	28/06/2035	चंद्र	08/01/2053	मंगल	03/09/2067	राहु	16/07/2086
सूर्य	26/01/2029	चंद्र	27/01/2036	मंगल	27/01/2054	राहु	27/01/2070	गुरु	26/01/2089

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
26/01/2089		28/01/2106		27/01/2113		27/01/2133		28/01/2139	
28/01/2106		27/01/2113		27/01/2133		28/01/2139		00/00/0000	
बुध	25/06/2091	केतु	26/06/2106	शुक्र	29/05/2116	सूर्य	17/05/2133	चंद्र	28/11/2139
केतु	21/06/2092	शुक्र	26/08/2107	सूर्य	29/05/2117	चंद्र	15/11/2133	मंगल	28/06/2140
शुक्र	22/04/2095	सूर्य	01/01/2108	चंद्र	28/01/2119	मंगल	23/03/2134	राहु	28/12/2141
सूर्य	26/02/2096	चंद्र	01/08/2108	मंगल	29/03/2120	राहु	15/02/2135	गुरु	29/04/2143
चंद्र	28/07/2097	मंगल	28/12/2108	राहु	30/03/2123	गुरु	04/12/2135	शनि	27/11/2144
मंगल	25/07/2098	राहु	15/01/2110	गुरु	28/11/2125	शनि	15/11/2136	बुध	07/02/2146
राहु	11/02/2101	गुरु	22/12/2110	शनि	27/01/2129	बुध	22/09/2137		00/00/0000
गुरु	20/05/2103	शनि	31/01/2112	बुध	28/11/2131	केतु	28/01/2138		00/00/0000
शनि	28/01/2106	बुध	27/01/2113	केतु	27/01/2133	शुक्र	28/01/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 11 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।